षाण्मासिक

(2)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बाँसवाड़ा
वेद विद्यापीठ

E Mail- vedvidhyapeethggtu@gmail.com

षाण्मासिक संस्कृत शिक्षण प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम

निर्देश :– प्रथम एवं द्वितीय पत्रों की प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे। जिसमें से एक का समाधान करना आवश्यक होगा।

- **प्रथम प्रश्न पत्रः– संस्कृत व्याकरण 100 अंक (प्रत्येक इकाई 20–20 अंक की है।)**
- इकाई –(I) वर्ण ज्ञान, माहेश्वर सूत्र, वर्णमाला परिचय, उच्चारण स्थानों का परिचय।
- इकाई –(II) कारक परिचय।
- इकाई –(III) अनुवाद प्रकरण और शब्द रूप
  - (I) संज्ञा शब्दरूप– राम, लता, कवि, मति, गुरू, धेनू , वधू ,पितृ, मातृ, भवत्, आत्मन्, योगिन्, पयस् फल।
  - (II) सर्वनाम शब्दरूप, तत्, एतत्, किं, यद्, सर्व, अस्मद्, युष्मद्, इदम्।
  - (III) संख्यावाची शब्दरूप एकः, द्वौ, त्रि, त्रय, चतुर्, पंच।
  - (IV) धातुरूप – धातुका लट्, लोट्, लङ्.ग, विधिलिङ्.ग, लृट्लकार (परस्मैपद)।

  इकाई –(IV) स्वर {अच्} सन्धि– यण्, दीर्घ, अयादि, गुण एवं वृद्धि व्यंजन हल् सन्धियां एवं विसर्ग सन्धि।

  इकाई –(V) प्रकृति प्रत्यय प्रकरण – अनीयर् , तव्यत् , यत् ,ण्यत् आदि ।

  इकाई –(VI) समास. अव्ययीभाव, तत्पुरूष, द्विगु, द्वन्द्व एवं बहुब्रीहि, समास आदि।

- **द्वितीय प्रश्न पत्र :– संस्कृत व्याकरण 100 अंक (प्रत्येक इकाई 20–20 अंक की है।)**
- इकाई –(I) संस्कृत संभाषणम् कार्यम्।

  इकाई –(II) अनुवाद संस्कृत वाक्यों का हिन्दी भाषा में तथा हिन्दी वाक्यों का संस्कृत भाषा में अनुवाद।

  इकाई –(III) संस्कृत साहित्य के ग्रन्थों का सामान्य परिचय।
  - (I) – वैदिक साहित्य– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद।
  - (II) – लौकिक साहित्य – रामायण, महाभारत, कुमारसंभवम्, रघुवंशम्, कादम्बरी, पंचतन्त्र।

  इकाई – (IV) छन्द परिचय, अनुष्टुप, वंशस्थ, मालिनी, शिखरिणी, तथा इन्द्रवज्रा के लक्षण उदाहरण।

  इकाई – (V) अलंकार परिचय – उपमा, यमक, अनुप्रास, रूपक तथा उत्प्रेक्षा के लक्षणोदाहरण।

- **तृतीय प्रश्न पत्र :–मौखिकी परीक्षा प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न पत्र पर आधारित।** **40 अंक**
- **सहायक ग्रन्थ :–**
- रचनानुवाद कौमुदी – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।
- श्रीमद्भगवद्गीता – गीता प्रेस गोरखपुर।
- छन्दोविंशतिका. – चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।